21. आकस्मिक फसल योजना (खरीफ 2024)

योजना (अ)	प्रमुख खेती की स्थिति	सामान्य फसल प्रणाली	फसल /फसल प्रणाली में बदलाव	शस्य प्रबंधन
सामान्य वर्षापात में 2 सप्ताह का विलंब	उपरी जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी	1) मध्यम अवधि के धान एवं उनके प्रभेद को प्राथमिकता दें 2) उपरी जमीन में मडुआ का बिचड़ा डालें	1) सामान्य शस्य क्रियाएँ 2) धान की सीधी बुआई को प्राथमिकता
	मध्यम जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी/ धान – आलू	मध्यम अवधि के धान (रा. भगवती, रा. सुवासिनी, रा. कस्तूरी, सरोज, रा. श्वेता	1) सामान्य शस्य क्रियाएँ 2) धान की सीधी बुआई में सूखा प्रतिरोधी किस्म को प्राथमिकता
	निचली जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी/ धान – आलू	मध्यम अवधि के धान (राजश्री, किशोरी, सरोज, अभिषेक, सत्यम आदि)	1) धान की विलम्ब से रोपाई वाले खेत में फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को समय से देना 2) धान की सीधी बुआई वाले खेत में निकौनी अथवा खरपतवार नाशी का समय से प्रयोग
योजना (ब)				
सामान्य वर्षापात में 4 सप्ताह का विलंब	उपरी जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी	1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता 2) उड़द (टी 9, पंत 30) 3) मक्का (शक्तिमान 1,2,3,4) एवं संकर मक्का को लगायें 4) पोषक अनाज यथा मडुआ, चीना, सावा, कोदो, कंगनी, कुटकी, बाजरा को धान के स्थान पर लगा सकते हैं।	1) धान की सीधी बुआई वाले खेत में उद्भव पूर्व खरपतवार नाशी (पेण्डीमेथलीन / 1.3 ली प्रति एकड़) का समय से प्रयोग एवं 25 से 30 दिनों के बाद बिसपायरिबैक सोडियम/100 मि.ली. पायराजोसलफ्यूरान 80 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग 2) इमिजाथइपर 10प्रतिशत का 40 ग्राम सक्रिय तत्व/ हे. 3) मक्का में खरपतवार नियंत्रण हेतु टेम्बोट्रायोन 42 : एस. सी.का 115 ग्राम सक्रिय तत्व/एकड़ या एट्राजीन 50 : का 400 ग्राम प्रति एकड़
	मध्यम जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी/ धान – आलू	धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता	धान की सीधी बुआई वाले खेत में उद्भव पूर्व खरपतवार नाशी (पेण्डीमेथलीन / 1.3 ली प्रति एकड़) का समय से प्रयोग एवं 25 से 30 दिनों के बाद बिसपायरिबैक

				सोडियम / 100 मि.ली. पायराजोसलफ्यूरान 80 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग
	निचली जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी / धान – आलू	1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता	धान की सीधी बुआई वाले खेत में उद्भव पूर्व खरपतवार नाशी (पेण्डीमेथलीन / 1.3 ली प्रति एकड़) का समय से प्रयोग एवं 25 से 30 दिनों के बाद बिसपायरिबैक सोडियम / 100 मि.ली. पायराजोसलफ्यूरान 80 ग्राम प्रति एकड़ का प्रयोग
योजना (स)				
सामान्य वर्षापात में 6–8 सप्ताह का विलंब	उपरी जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी	1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता 2) उड़द (टी 9, पंत 30), कुल्थी (बिरसा कुल्थी 2,3 एवं इन्दिरा कुल्थी 1, प्रताप कुल्थी 2, गुजरात कुल्थी 1) 3) मक्का (शक्तिमान 1,2,3,4), संकर मक्का 4) पोषक अनाज यथा मडुआ, चीना, सावाँ, कोदो, कंगनी, कुटकी, बाजरा को धान के स्थान पर लगा सकते हैं।	1)अल्प अवधि के धान का सामुदायिक नर्सरी बनाकर रोपा करें 2)अल्प अवधि के धान की सीधी बुआई करें 3) अधिक दिन का बिचड़ा होने पर 3–4 बिचड़े की रोपाई करें 4) पौधों के अच्छे विकास हेतु पर्याप्त खाद की मात्रा डालें 5) आवश्यकता पड़ने पर जीवन रक्षक सिंचाई का प्रयोग करें।
	मध्यम जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी / धान – आलू	1) धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता 2) मडुआ की बुआई करें	
	निचली जमीन	धान – गेहूँ /धान – सरसों / धान – सब्जी / धान – आलू	धान के कम अवधि वाले प्रभेद यथा सरोज, अभिषेक, सबौर हर्षित, सहभागी को प्राथमिकता	